ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्र को बड़ा बनाने में व्यक्ति, समाज को बड़ा बनना होगा : डॉ. उदय निरगुडकर

हिंदी विवि में 'राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका' पर हुआ विशेष व्याख्यान

वर्धा, 26 सितंबर 2024 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एवं भारतीय विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका' विषय पर विशेष व्याख्यान में वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया विशेषज्ञ डॉ. उदय निरगुडकर ने कहा कि राष्ट्र को बड़ा बनाने में व्यक्ति, समाज को बड़ा बनना होगा। वे गुरुवार, 26 सितंबर को गालिब सभागार में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की।

इस अवसर पर मंच पर दूर शिक्षा निदेशालय के निदेशक एवं भारतीय विचार मंच, वर्धा नगर के संयोजक प्रो. आनन्द पाटील, शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं भारतीय शिक्षा मंडल चितौड प्रांत के सदस्य डॉ. हरीश पाण्डेय, अनुवाद अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर एवं भारतीय भाषा मंच की विदर्भ प्रांत संयोजिका डॉ. मीरा निचळे एवं भारतीय विचार मंच के वर्धा जिला संयोजक अतुल शेंडे उपस्थित थे।

डॉ. निरगुडकर ने कहा कि यदि समाज तय करता है कि राष्ट्र का उत्थान करना है तो राष्ट्र निश्चित ही उत्थान करता है। व्यक्ति और समाज के निर्णय पर ही राष्ट्र खड़ा होता है। हमें गुलामी की मानसिकता को छोडकर एक स्वतंत्र व्यक्ति और समाज के रूप में देश को आगे ले जाने का काम करना चाहिए। उन्होंने कथ्य और तथ्य के भेद को बताते हुए कहा कि हमें तथ्यों से मानवता की बात करनी चाहिए। यही हमारी भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने वाले लोगों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें महसूस न होने वाले युद्ध का सामना करना चाहिए। आज के समाज में मनोव्यापार का शास्त्र चल रहा है जिसका हमें पता ही नहीं चलता। हमें वसुधैव कुटुंबकम की भावना से दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज करनी चाहिए।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि हमें अपनी चिंतन का दायरा व्यापक करना चाहिए। हम जिस औपनिवेशिक मानसिकता से जकड़े हुए हैं उसे तोडकर अपनी प्राचीन परंपरा और विरासत के बल पर आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम की प्रस्तावना में प्रो. आनन्द पाटील ने कहा कि हमें शोर की संस्कृति का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। विकसित भारत का संकल्प पूरा करने और भारत को विकसित बनाने में अपनी भूमिका तय करनी चाहिए। प्रो. पाटील ने डॉ. निरगुडकर का स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं सूत की माला से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश पाण्डेय ने किया तथा डॉ. मीरा निचळे ने आभार माना। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

मुख्य वक्ता का परिचय भारतीय विचार मंच के वर्धा जिला संयोजक अतुल शेंडे ने दिया। इस अवसर पर शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. कुलदीप पाण्डेय, डॉ. जीतेंद्र, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. श्रीकांत जायसवाल, बी.एस. मिरगे, राजेश आगरकर, उमाशंकर बघेल, अरविंद कुमार, रवि वानखडे, राम बरन, संजय उराडे, सुरेश यादव, सचिन सोनी, हेमलता सिंह, रूपांजलि कुमारी, ज्ञानेश्वर चौधरी आदि ने सहयोग दिया।

मराठी :

राष्ट्र महान होण्यासाठी व्यक्ती, समाज मोठा झाला पाहिजे : डॉ. उदय निरगुडकर

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विवित 'राष्ट्र उभारणीत आपली भूमिका' विषयावर व्याख्यान

वर्धा, 26 सप्टेंबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय आणि भारतीय विचार मंच यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'राष्ट्र उभारणीत आपली भूमिका' या विषयावर विशेष व्याख्यानात वरिष्ठ पत्रकार व मीडिया विशेषज्ञ डॉ. उदय निरगुडकर म्हणाले की राष्ट्र महान बनवायचे असेल तर व्यक्ती आणि समाजाला मोठे व्हावे लागेल. ते गुरुवार, २६ सप्टेंबर रोजी गालिब सभागृहात आयोजित विशेष व्याख्यानात ते बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. कृष्ण कुमार सिंह होते. या प्रसंगी दूर शिक्षण निदेशालयाचे निदेशक व भारतीय विचार मंच, वर्धा नगरचे संयोजक प्रो. आनन्द पाटील, शिक्षण विभागाचे सहायक प्रोफेसर व भारतीय शिक्षण मंडळ, चित्तोड प्रांत सदस्य डॉ. हरीश पांडे, अनुवाद अध्ययन विभागाच्या सहायक प्रोफेसर आणि भारतीय भाषा मंचाच्या विदर्भ प्रांत संयोजिका डॉ. मीरा निचळे व भारतीय विचार मंचचे वर्धा जिल्हा संयोजक अतुल शेंडे मंचावर उपस्थित होते.

डॉ. निरगुडकर म्हणाले की राष्ट्राची उन्नती करायची आहे, हे समाजाने ठरवले तर राष्ट्राची नक्कीच उन्नती होते. व्यक्ती आणि समाजाच्या निर्णयावरच राष्ट्र उभे राहते. गुलामगिरीची मानसिकता सोडून स्वतंत्र व्यक्ती आणि समाज म्हणून देशाला पुढे नेण्याचे काम केले पाहिजे. कथानक आणि वस्तुस्थिती यातील फरक स्पष्ट करताना ते म्हणाले की, वस्तुस्थितीतून मानवतेबद्दल बोलले पाहिजे. ही आपली भूमिका असायला हवी. राष्ट्राच्या उभारणीत योगदान देणाऱ्या लोकांची उदाहरणे देत ते म्हणाले की,

आपल्याला एका अदृश्य युद्धाला सामोरे जावे लागत आहे. आजच्या समाजात मनोव्यापार शास्त्र चालू आहे ज्याची आपल्याला जाणीवही होत नाही. वसुधैव कुटुंबकम या भावनेने जगात आपली उपस्थिती नोंदवली पाहिजे असेही ते म्हणाले.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह म्हणाले की, आपण आपल्या विचाराची व्याप्ती वाढवली पाहिजे. आपण ज्या वसाहतवादी मानसिकतेत अडकलो आहोत ती मोडून आपल्या प्राचीन परंपरा आणि वारशाच्या बळावर पुढे जायला हवे.

कार्यक्रमाच्या प्रास्ताविकात प्रो. आनन्द पाटील म्हणाले की विकसित भारताचा संकल्प पूर्ण करण्यासाठी आपली भूमिका आपण ठरवली पाहिजे. प्रो. पाटील यांनी डॉ. निरगुडकर यांचे स्मृतीचिन्ह, दुप्पट्टा व सुतमाळ देऊन स्वागत केले. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. हरीश पांडे यांनी केले तर आभार डॉ. मीरा निचळे यांनी मानले. राष्ट्रगीताने कार्यक्रमाची सांगता झाली.

डॉ. निरगुडकर यांचा परिचय भारतीय विचार मंचचे वर्धा जिल्हा संयोजक अतुल शेंडे यांनी दिला. यावेळी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेसाठी डॉ. कुलदीप पांडे, डॉ. जीतेंद्र, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. श्रीकांत जायसवाल, बी.एस. मिरगे, राजेश आगरकर, उमाशंकर बघेल, अरविंद कुमार, रवि वानखडे, राम बरन, संजय उराडे, सुरेश यादव, सचिन सोनी, हेमलता सिंह, रूपांजलि कुमारी, ज्ञानेश्वर चौधरी यांनी सहकार्य केले.

नमस्कार !

मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद।